

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक: 12 सितम्बर, 2013

विषय: पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्द्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले तीन विद्यालयों को 'तरुश्री सम्मान' दिये जाने के संबंध में समिति का गठन किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या: 2112/XXIV-3/10/03(20)10 दिनांक: 18 जनवरी, 2011 द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्द्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्य में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, राजकीय हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट कॉलेजों में से चयनित 03 विद्यालयों को प्रतिवर्ष 'तरुश्री सम्मान' से सम्मानित किये जाने की व्यवस्था की गई है।

इस संबंध में आपके पत्र संख्या: विविध/63036/तरुश्री सम्मान/2012-13, दिनांक: 12 मार्च, 2013 एवं पत्र संख्या: विविध/21187/तरुश्री सम्मान/2012-13, दिनांक: 16 अगस्त, 2013 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या 142/XXIV-2/116(5)/2008 दिनांक: 14 जून, 2011 के अनुसार विद्यालयी शिक्षा के संगठनात्मक स्वरूप का पुनर्गठन होने के फलस्वरूप प्रारम्भिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं अकादमिक शोध व प्रशिक्षण प्रभावी रूप से संचालित होने के दृष्टिगत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त सम्मान दिये जाने हेतु शासनादेश संख्या: 2112/XXIV-3/10/03(20)10 दिनांक: 18 जनवरी, 2011 में उल्लिखित व्यवस्था में आवश्यक संशोधन करते हुए उक्त पुरस्कार प्रदान किये जाने हेतु निम्नवत् मानक निर्धारित करते हुए ब्लाक, जनपद, मण्डल, एवं राज्य स्तर पर समिति गठित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1-प्राथमिक विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पास प्रायः कम भूमि होती है अतः प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रति वर्ष न्यूनतम 50 वृक्षों के रोपण व न्यूनतम 20 प्रतिशत वृक्षों (दस वृक्ष) के जीवित होने पर विद्यालय पुरस्कार हेतु अर्ह होगा। गत 5 वर्षों में सर्वाधिक वृक्षों के रोपण व सर्वाधिक वृक्षों के जीवित होने पर पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

2- इसी प्रकार इण्टर कॉलेजों एवं हाई स्कूल में प्रति वर्ष न्यूनतम 100 वृक्षों के रोपण एवं न्यूनतम 20 प्रतिशत वृक्षों (20 वृक्ष) के जीवित होने एवं 5 वर्षों में अधिकतम वृक्षों के रोपण एवं जीवित संख्या के आधार पर पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

3-समिति द्वारा यह भी प्रस्तावित किया गया कि जीवित वृक्षों में न्यूनतम 10 प्रतिशत छायादार वृक्ष, 10 प्रतिशत फलदार वृक्ष, 10 प्रतिशत शोभादार वृक्ष एवं शेष मिश्रित वृक्ष हों। विद्यालय प्रांगण में स्थित फुलवारियों की भी मूल्यांकन में 10 प्रतिशत अंकना की जायेगी।

4- विद्यालय द्वारा सेवित क्षेत्र के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण हेतु किये गये विशेष कार्यों को भी मूल्यांकन की परिधि में सम्मिलित किये जाने की संस्तुति समिति द्वारा की जायेगी।



2. ब्लाक, जनपद, मण्डल एवं राज्य स्तर पर गठित समिति में नवीन विभागीय पुनर्गठन स्वरूप के अनुसार निम्नांकित तालिका के क्रमांक-4 के अनुसार आंशिक संशोधन करते हुए निम्नवत् समिति गठित की जाती है:-

क्र० सं०	स्तर	पूर्व गठित समिति	वर्तमान गठित समिति
1	2	3	4
(i)	ब्लाक समिति	(1)खण्ड शिक्षा अधिकारी -अध्यक्ष (2)वरिष्ठतम प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्य-सदस्य (3) वन विभाग के प्रतिनिधि जो रेंजर स्तर से कम न हों -सदस्य (4)उप खण्ड शिक्षा अधिकारी -सदस्य	(1)खण्ड शिक्षा अधिकारी -अध्यक्ष (2)वरिष्ठतम प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्य-सदस्य (3) वन विभाग के प्रतिनिधि जो रेंजर स्तर से कम न हों -सदस्य (4)उप शिक्षा अधिकारी(प्रारम्भिक शिक्षा)-सदस्य
(ii)	जनपद समिति	(1) जिला शिक्षा अधिकारी -अध्यक्ष (2) अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) -सदस्य (3) अपर जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) -सदस्य (4) भूमि संरक्षण अधिकारी -सदस्य	(1) मुख्य शिक्षा अधिकारी -अध्यक्ष (2) जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक शिक्षा) -सदस्य (3) जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) -सदस्य (4) भूमि संरक्षण अधिकारी -सदस्य
(iii)	मण्डल समिति	(1) मण्डलीय अपर निदेशक -अध्यक्ष (2) संयुक्त निदेशक प्रशासन -सदस्य (3) अपर जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) -सदस्य	(1) मण्डलीय अपर निदेशक वरिष्ठतम -अध्यक्ष (2) मण्डलीय अपर निदेशक कनिष्ठतम -सदस्य (3) मुख्य शिक्षा अधिकारी वरिष्ठतम -सदस्य
(iv)	राज्य समिति	(1) अपर निदेशक (मुख्यालय) -अध्यक्ष (2)मण्डलीय संयुक्त निदेशक -सदस्य (3) संयुक्त निदेशक (माध्यमिक) -सदस्य (4) उप निदेशक (विविध) -सदस्य	(1)अपर निदेशक (मा० शि०) -अध्यक्ष (2) संयुक्त निदेशक(प्रा० शि०) -सदस्य (3) संयुक्त निदेशक (माध्यमिक) -सदस्य (4) उप निदेशक (विविध) -सदस्य

उपरोक्त शासनादेश संख्या: 2112/XXIV-3/10/03(20)10 दिनांक: 18 जनवरी, 2011 में उल्लिखित शेष शर्तें व मानक यथावत् लागू रहेंगे।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीया,  
(मनीषा पंवार)  
सचिव

**पृष्ठांकन संख्या: 1440/XXIV-3/13/03(20)2010 तददिनांकित।**

प्रतिलिपि: निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मंत्री जी, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
3. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. अपर सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4(घोषणा अनुभाग), उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
8. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(सुनील श्री पांथरी)  
उप सचिव।